जनेप प्राधिकरणाने प्रमुख बंदरांच्या सचिवांच्या परिषदेसाठी आलेल्या प्रमुख पत्तनांचे प्रतिनिधी आणि पत्तन, नौवहन आणि जलमार्ग मंत्रालयाच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांचे यजमानपद भूषविले

मुंबई, 30 नोव्हेंबर 2024: भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणाऱ्या जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणाने (जनेप प्राधिकरण) शुक्रवारी, 29 नोव्हेंबर 2024 रोजी प्रमुख बंदरांच्या सचिवांच्या परिषदेचे आयोजन केले होते. या दोन दिवसीय परिषदेत प्रमुख बंदरांचे प्रतिनिधी आणि पत्तन, नौवहन आणि जलमार्ग मंत्रालयाचे वरिष्ठ अधिकारी सहभागी झाले होते. या परिषदेचे उद्घाटन जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष, श्री उन्मेष शरद वाघ भा.रा.से., यांनी श्री संदीप गुप्ता, संयुक्त सचिव, पत्तन, नौवहन आणि जलमार्ग मंत्रालय, श्री पी. के. रॉय, संचालक (पीएचआरडी) आणि श्रीमती. मनीषा जाधव, महाव्यवस्थापक (प्रशासन) आणि सचिव, जनेप प्राधिकरण या मान्यवरांच्या उपस्थितीत केले.

आपल्या उद्घाटनपर भाषणात, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष, श्री उन्मेष शरद वाघ भा.रा.से., यांनी बंदर क्षेत्रातील सहकार्य आणि नवोन्मेषासाठी जनेप प्राधिकरणाचे समर्पण अधोरेखित केले. ते म्हणाले, "ज्ञान सामायिकरणाला प्रोत्साहन देण्यासाठी आणि पत्तन क्षेत्र आणि त्याचे कार्यबल उंचावण्याकरता सर्वोत्तम पद्धतींचा अवलंब करण्यासाठी जनेप प्राधिकरणाने प्रमुख पत्तनांच्या सचिवांची परिषद घेण्यास सुरुवात केली आहे. आमचा ठाम विश्वास आहे की कर्मचारी, विभागप्रमुख आणि नेतृत्वाचा प्रेरित, उच्च-उत्साही संघ उल्लेखनीय टप्पे गाठू शकतो. भारताचे सर्वात कार्यक्षम पत्तन म्हणून, जागतिक मानकांच्या बरोबरीने स्पर्धा करत, जनेप प्राधिकरण आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रे, उद्योग कार्यक्रम आणि कामगारांचे कौशल्ये वाढविण्यासाठी आणि त्यांची कामगिरी ओळखण्यासाठी नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमांच्या आयोजनाला प्राधान्य देते."

सर्वसमावेशक नेतृत्वाचे महत्त्व अधोरेखित करताना ते म्हणाले, "एक सुलभ नेतृत्व संच कर्मचाऱ्यांमध्ये आपलेपणाची भावना निर्माण करतो, ज्यामुळे त्यांना आपल्याही महत्व दिले जात असल्याची आणि आपले ऐकले जात असल्याची भावना निर्माण होते. या अधिवेशनाच्या माध्यमातून, कर्मचाऱ्यांसाठी प्रमोशनल कॅलेंडर तयार करणे, प्रशिक्षण वेळापत्रक तयार करणे आणि आंतरराष्ट्रीय पत्तनांसह सहयोगी विनिमय कार्यक्रम शोधणे यासारख्या प्रमुख विषयांवर लक्ष केंद्रित करण्याचे आमचे उद्दिष्ट आहे. नियमित अधिवेशने आणि वार्षिक विभागीय परिषदा या उपक्रमाला आणखी समृद्ध करतील."

परिषदेच्या अजेंड्यामध्ये प्रभावी सत्रांची मालिका समाविष्ट होती –

- मनुष्यबळ संसाधन आव्हाने आणि नाविन्यपूर्ण धोरणे – पत्तन क्षेत्रातील कार्यबल गतिशीलता, भरती आणि नेतृत्व विकासाकडे लक्ष देणे.
- (कर्मचारी) कल्याण आणि वेतन संरचना कल्याणकारी उपाययोजना, वेतनमान आणि कर्मचाऱ्यांच्या लाभांचा आढावा घेणे.

- क्रॉस-लर्निंग संधीः सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमांना प्रोत्साहन देणे आणि विविध पत्तनांमधून परिचालन कार्यक्षमता आणि सामुदायिक सहभागावरील यशोगाथा सामायिक करणे.
- तणाव व्यवस्थापनः व्यावसायिक मानसशास्त्रज्ञ आणि प्रशिक्षकाद्वारे आयोजित एक परस्परसंवादी सत्र.

दुसऱ्या दिवशी पाहुण्यांना समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव देणारी एलिफंटाच्या ऐतिहासिक गुहांची सहल घडविण्यात येईल. या परिषदेतील चर्चा आणि कृती करण्यायोग्य परिणामांची उजळणी करून या कार्यक्रमाची सांगता होईल.

या कार्यक्रमाचे आयोजन करून, जनेप प्राधिकरण सहकार्य, नवोन्मेष आणि मनुष्यबळ विकासाची संस्कृती जोपासत पत्तन क्षेत्रातील आपल्या नेतृत्वाच्या भूमिकेला बळकटी देत आहे.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल:

जवाहरलाल नेहरू बंदर प्राधिकरण (जनेपप्रा) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापन झाल्यापासून, जनेपप्राने बल्क कार्गो टर्मिनलमधून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतर केले आहे.

सध्या, जनेपप्रा एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी आणि एपीएमटी हे पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते. बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेपप्रा पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेपप्रा भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहु-उत्पादन SEZ देखील चालवते.

जनेपप्रा महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व-हवामान, डीप-ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे . हे जागतिक स्तरावरील शीर्ष 10 बंदरांमध्ये स्थान मिळवण्यासाठी सज्ज आहे आणि स्थापनेपासून ते 100% ग्रीन पोर्ट असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:
अंबिका सिंग
सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेपप्रा
मोबाईल क्र: +919920372677
ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जनेप्रा
JNPA
INDIA'S
BEST
PERFORMING
PORT

जनेप प्राधिकरण ने प्रमुख पत्तनों के सचिवों के सम्मेलन में प्रमुख पत्तनों के प्रतिनिधियों और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मेजबानी की

मुंबई, 30 नवंबर, 2024: भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहर लाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) ने शुक्रवार को प्रमुख पत्तनों के सचिवों के सम्मेलन की मेजबानी की। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रमुख पत्तनों के प्रतिनिधियों और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्घाटन जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उन्मेश शरद वाघ, भा. रा.से., द्वारा श्री संदीप गुप्ता, संयुक्त सचिव, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, श्री पी. के. रॉय, निदेशक (पीएचआरडी) और श्रीमती मनीषा जाधव, महाप्रबंधक (प्रशासन) और सचिव, जनेप प्राधिकरण इन मान्यवरों के उपस्थिती में किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उन्मेश शरद वाघ, भा. रा.से., ने पत्तन क्षेत्र के भीतर सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जनेप प्राधिकरण के समर्पण को रेखांकित किया। उन्होंने टिप्पणी की, "जनेप प्राधिकरण ने पत्तन क्षेत्र और उसके कार्यबल को बढ़ाने के लिए ज्ञान साझा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पत्तनों के सचिवों के सम्मेलन की शुरुआत की। हम दृढ़ता से मानते हैं कि कर्मचारियों, विभागाध्यक्षों और नेतृत्व की एक प्रेरित, उच्च-उत्साही टीम उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल कर सकती है। भारत के सबसे कुशल पत्तन के रूप में, वैश्विक मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए, जनेप प्राधिकरण अपने कार्यबल को उनके कौशल को बढ़ाने और उनकी उपलब्धियों को पहचानने के लिए अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों, उद्योग कार्यक्रमों और नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करके को प्राथमिकता देता है।"

उन्होंने आगे समावेशी नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "एक सुलभ नेतृत्व दल कर्मचारियों के बीच अपनापन की भावना को आत्मसात करता है, जिससे वे मूल्यवान और सुनने योग्य महसूस करते हैं। सचिवीय और प्रशासनिक भूमिकाएं अक्सर अस्वीकृत हो जाती हैं, लेकिन उनका योगदान संगठन की सफलता के लिए अभिन्न है। इस सम्मेलन के माध्यम से, हमारा उद्देश्य प्रमुख विषयों को संबोधित करना है जैसे कि कर्मचारियों के लिए एक प्रमोशनल कैलेंडर बनाना, प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थापित करना और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों के साथ सहयोगी विनिमय कार्यक्रमों का शोध करना। नियमित सम्मेलन और वार्षिक विभागीय सम्मेलन इस पहल को और समृद्ध करेंगे।"

सम्मेलन के एजेंडा में प्रभावशाली सत्रों की एक श्रृंखला शामिल थी -

- मानव संसाधन चुनौतियां और नवीन रणनीतियां – पत्तन क्षेत्र में कार्यबल की गतिशीलता, भर्ती और नेतृत्व विकास को संबोधित करना।
- कल्याण और वेतन संरचना - कल्याणकारी उपायों, वेतनमान और कर्मचारी लाभों की समीक्षा करना।
- क्रॉस-लर्निंग के अवसर - सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना और विभिन्न पत्तनों से परिचालन दक्षता और सामुदायिक जुड़ाव पर सफलता की कहानियों को साझा करना।
- तनाव प्रबंधन - एक पेशेवर मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक द्वारा आयोजित एक संवादात्मक सत्र।

दूसरे दिन ऐतिहासिक एलिफेंटा गुफाओं का एक निर्देशित दौरा आयोजित किया गया है, जिसने उपस्थित लोगों को एक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम का समापन सम्मेलन से चर्चाओं और कार्रवाई योग्य परिणामों के पुनर्कथन के साथ होगा।

इस कार्यक्रम की मेजबानी करके, जनेप प्राधिकरण सहयोग, नवाचार और कार्यबल विकास की संस्कृति को पोषित करते हुए पत्तन क्षेत्र में अपनी नेतृत्व भूमिका को मजबूत करना जारी रखता है।

जनेपप्रा के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जनेपप्रा) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेपप्रा एक थोक कार्गो टर्मिनल से देश में एक प्रमुख कंटेनर बंदरगाह में बदल गया है। इस प्रकार, जनेपप्रा के समृद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए, भारत सरकार ने जनेपप्रा को परियोजना कार्यान्वयन का काम सौंपा।

वर्तमान में, जनेपप्रा पांच कंटेनर टर्मिनल संचालित करता है - एनएसएफटी, एनएसआईटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेपप्रा पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आयओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, नवनिर्मित तटीय घाट अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तट के साथ कंटेनर यातायात बढ़ाता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जनेपप्रा भारत के निर्यात-उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए बहु-उत्पादन एसईजेड का भी संचालन करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:
जनेपप्रा:

अंबिका सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन),
मोबाइल नंबर:+919769769100
ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JNPA Hosts Delegates from Major Ports and Senior Officials of MoPSW to the Convention of Secretaries of Major Ports

Mumbai, November 29, 2024: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's Best Performing Port, hosted the *Convention of Secretaries of Major Ports* on Friday, November 29, 2024. The two-day event brought together delegates from major ports and senior officials from the Ministry of Ports, Shipping, and Waterways (MoPSW). The convention was inaugurated by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman of JNPA, in the presence of Shri Sandeep Gupta, Joint Secretary, MoPSW, Shri P.K. Roy, Director (PHRD), and Smt. Manisha Jadhav, General Manager (Administration) and Secretary, JNPA.

In his inaugural address, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, underlined JNPA's dedication to driving collaboration and innovation within the port sector. He remarked, "JNPA initiated the *Convention of Secretaries of Major Ports* to encourage knowledge sharing and the adoption of best practices to elevate the port sector and its workforce. We firmly believe that a motivated, high-spirited team of employees, HoDs, and leaders can achieve remarkable milestones. As India's most efficient port, competing on par with global standards, JNPA prioritizes its workforce by facilitating international seminars, industry events, and regular training programs to enhance their skills and recognize their achievements."

He further highlighted the importance of inclusive leadership saying, "An approachable leadership team imbibe a sense of belonging among employees, making them feel valued and heard. Secretarial and administrative roles often go unacknowledged, but their contributions are integral to an organization's success. Through this convention, we aim to address key topics such as creating a promotional calendar for employees, establishing training schedules, and exploring collaborative exchange programs with international ports. Regular conventions and annual departmental conferences will further enrich this initiative."

The convention's agenda included a series of impactful sessions:

- *HR Challenges and Innovative Strategies*: Addressing workforce dynamics, recruitment, and leadership development in the port sector.
- *Welfare and Pay Structures*: Reviewing welfare measures, pay scales, and employee benefits.

- *Cross-Learning Opportunities*: Promoting collaborative training programs and sharing success stories on operational efficiency and community engagement from various ports.
- *Stress Management*: An interactive session conducted by a professional psychologist and coach.

The second day features a guided tour of the historic Elephanta Caves, offering a cultural experience to the attendees. The event will conclude with a recap of discussions and actionable outcomes from the convention.

By hosting this event, JNPA continues to reinforce its leadership role in the port sector while nurturing a culture of collaboration, innovation, and workforce development.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in